Class Notes बीए भूगोल पार्ट-2, पत्र-III, इकाई-III

भारत में सीमेंट उद्योग
Cement Industry in India

बोलेन्द्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान

सीमेंट एक महत्वपूर्ण अवसंरचना उद्योग है । घर, करखाने, पुल, सड़क, हवाई अड्डा, बांध तथा अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों के निर्माण में सीमेंट आवश्यक तत्व है । इसका आविष्कार 1824 ई० में इंग्लैंड के पोर्टलैंड स्थान पर किया गया था । भारत में सीमेंट का प्रथम सयंत्र चेन्नई में 1904 ई० में स्थापित किया गया । भारत विश्व में चीन के बाद द्वितीय वृहद सीमेंट उत्पादक राष्ट्र बन गया है ।

महत्वपूर्ण संयंत्र एवं कम्पनियां

भारत का विभिन्न प्रकार के सीमेंट का उत्पादन करने लगा है जिसमें साधारण पोर्टलैंड सीमेंट, पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट, पोर्टलैंड फर्नेस स्लेग सीमेंट, तेलकुप सीमेंट तथा सफेद सीमेंट सम्मिलित है । भारत में सीमेंट उद्योग में प्रौद्योगिकी उन्नति तथा आधुनिकीकरण के साथ-साथ कदम बढ़ाया गया है । यह उद्योग अधिकांशतः निजी क्षेत्र में है जैसे एसीसी (वृहतम), लार्सन ट्रूबो, बिड़ला समूह, जे के समूह, श्री दिग्विजय समूह, नर्मदा सीमेंट, आंध्र सीमेंट, इंडिया सीमेंट आदि निजी क्षेत्र के कुछ बड़े समूह हैं । सार्वजनिक क्षेत्र में सीमेंट कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया (CCI) सबसे बड़ी कंपनी है जिसके 10 संयंत्र मन्यार, कुरकुंता, बीकाजन, राजबन, अकालतारा, नयागांव, एरागुंतला, चरखी, दादरी, आदिलाबाद तथा तंदूर में स्थापित है । उत्तर प्रदेश में 4 सीमेंट संयंत्र चुनार तथा डालमिया (दादरी में) अवस्थित है ।

सीमेंट निर्माण के लिए आवश्यक तत्व

सीमेंट उद्योग को भारी वस्तु कच्चे माल की आवश्यकता होती है । जैसे:

- चूना पत्थर, सिलिका,
- एलुमिना और
- जिप्सम

सीमेंट उद्योग की अवस्थिति

चूना पत्थर की स्थिति सीमेंट उद्योग की स्थापना का प्रमुख कारक है । विन्ध्यन शैलों में सीमेंट वर्ग का चूना पत्थर प्रचुरता से मिलता है । जिप्सम राजस्थान में तथा कोयला झारखंड व छत्तीसगढ़ में मिलता है ।
100 टन सीमेंट बनाने के लिए निम्नलिखित की आवश्यकता होती हैं ।

- 160 टन चूना पत्थर,
- 34 टन कोयला,
- 4 टन जिप्सम,
- 0.4 टन बॉक्साइट,

- 0.2 टन चीका

चूँकि सीमेंट के कच्चे माल तथा तैयार उत्पाद भारी होते हैं, अतः सीमेंट उद्योग की स्थिति में परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । सीमेंट का उत्पादन आर्द्र व शुष्क प्रकरणों द्वारा होता है । आर्द्र प्रक्रम के लिए अधिक मात्रा में जल की आवश्यकता तथा शुष्क प्रक्रम में अधिक शक्ति की आवश्यकता होती है ।

<u>सीमेंट उद्योग का वितरण</u>

सीमेंट उद्योग के सर्वाधिक करखाने आंध्र प्रदेश में है और उत्पादन में भी आंध्र प्रदेश का प्रथम स्थान है । वर्तमान में देश में 128 बड़े तथा 332 छोटे सीमेंट संयंत्र हैं । यह उद्योग दिल्ली, गुड़गांव, मुंबई, पुणे, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर, हैदराबाद, जमशेदपुर तथा बेंगलुरु के आसपास स्थित है ।

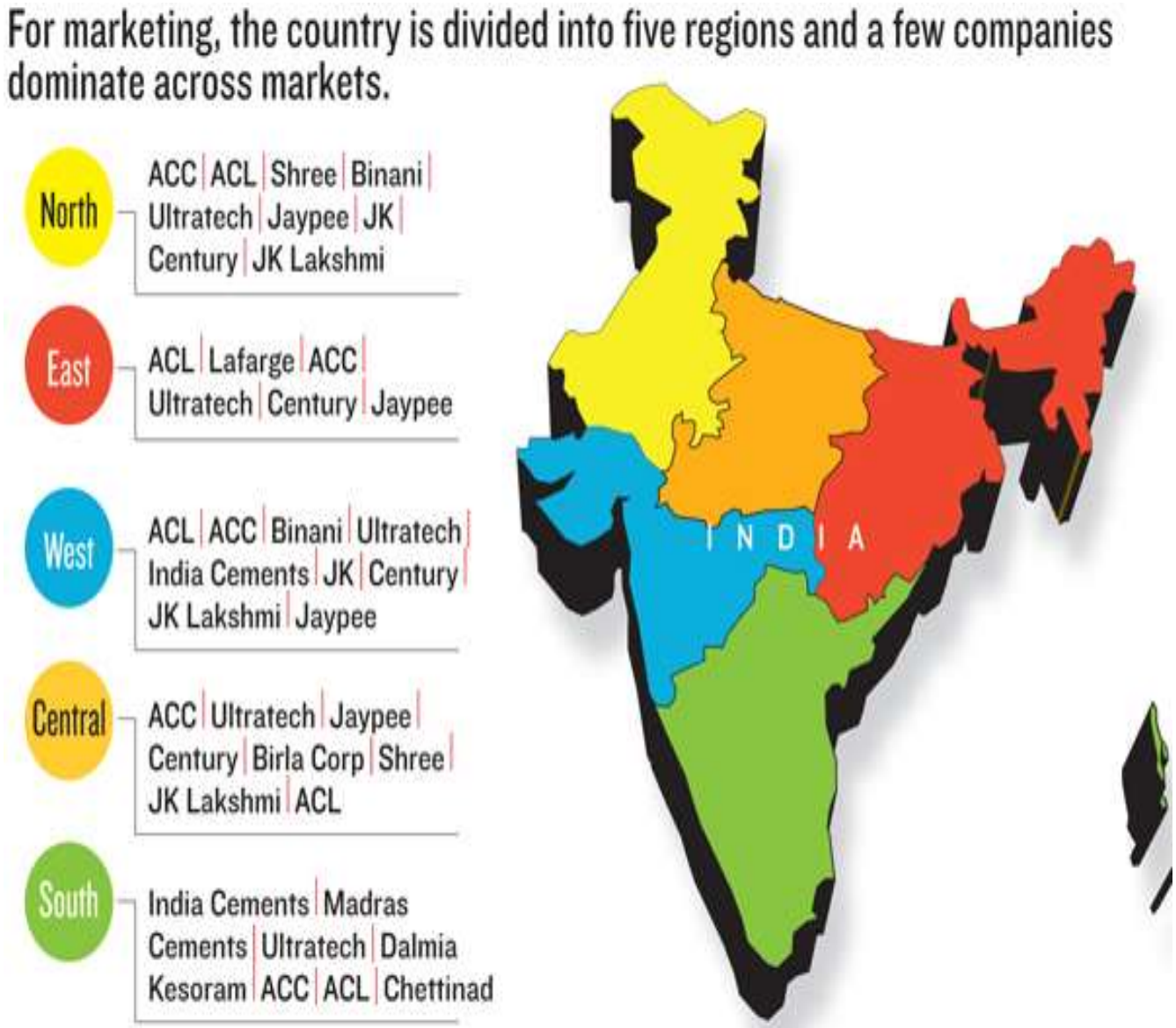

<u>चित्र स्रोत:</u> https://www.cementequipment.org/home/where-is-the-cement-industry-in-india-heading-exactly-by-samarpita-sahani/

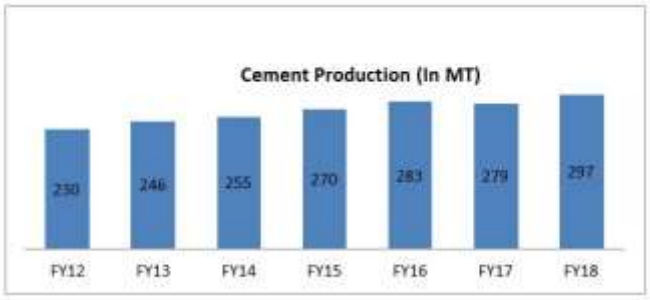

चित्र:भारत में सीमेंट उत्पादन स्रोत: https://adityatrading.in/research.aspx?txtsearch=Indian-Cement-Sector-Report%20&id=698

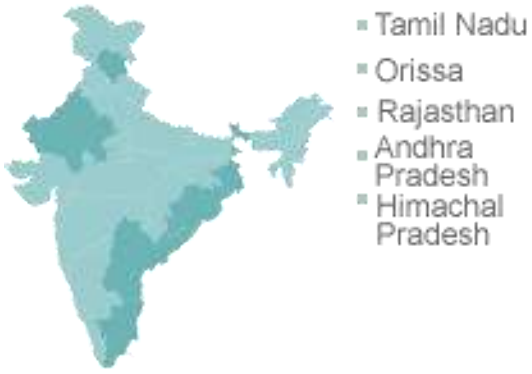

चित्र: CEMENT CLUSTERS स्रोत: https://www.ibef.org/industry/cement-india.aspx

औद्योगिक उत्पादन में सीमेंट उद्योग का महत्वपूर्ण (14%) योगदान है । भारत में 2017 में कुल सीमेंट उत्पादन 27 करोड़ टन रहा । भारतीय सीमेंट ने बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, नेपाल, मध्य-पूर्व एशियाई देशों, वर्मा, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बाजार में अपनी पहुंच बना ली है ।

****

सन्दर्भ: भारत का भूगोल, बौद्धिक प्रकाशन(एस के ओझा), भारत का भूगोल, कॉसमॉस प्रकाशन, महेश बर्णवाल